अब रिम्स के कूपन से जरूरतमंदों को मिलेंगी नि:शुल्क सुविधाएं

हरिभूमि न्यूज. रायपुर

मेडिकल कॉलेज की मान्यता मिलने के बाद रायपुर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (रिम्स) में चिकित्सा शिक्षा के साथ-साथ चिकित्सा सेवाओं में भी ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है।

- नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ लेने के लिए प्रदेशभर से लोग राजधानी पहुंच रहे

रिम्स द्वारा 8 सितंबर को आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ लेने के लिए प्रदेशभर से लोग राजधानी पहुंच कर अपना इलाज करा रहें।

इस शिविर का अंतिम दिन 8 अक्टूबर रखा गया, लेकिन अस्पताल इसके पश्चात भी मरीजों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए औसत खर्च से भी बेहद कम कीमत पर उन्हें इलाज मुहैया कराएगा। मरीजों को अस्पताल में इलाज के लिए सीजीएचएस (सेन्ट्रल गॉरमेंट हेल्थ स्किम) के निर्धारित दरों में भी संस्थान द्वारा 50 प्रतिशत की छूट उपलब्ध कराएगी, जो लोगों को इलाज की भारी रकम अदायगी से राहत प्रदान कर रही है।

रिम्स के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जसपाल भामरा ने बताया कि अस्पताल का उद्देश्य प्रदेश में बेहतर और किफायती चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराना है। जिसके लिए 5 सितबंर से 8 अक्टूबर तक कॉलेज की ओर से स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया है, वहीं अब मरीजों को सीजीएचएस के निर्धारित दरों पर भी 50 प्रतिशत की छूट 31 दिसंबर तक दी जाएगी। इसके साथ ही समाचार पत्रों में विज्ञापन के माध्यम से हम मरीजों के लिए एक कूपन का भी प्रकाशन कर रहें। इस कूपन को मरीज अपने साथ लाता है तो उसे इलाज की सभी सुविधाएं पुनः शिविर की भांति निःशुल्क मिलेगी।

खास बातें

- 31 दिसंबर तक मरीज कूपन के माध्यम से करा पाएंगे नि:शुल्क इलाज
- सभी प्रकार की जांच एवं सर्जरी भी नि:शुल्क
- अस्पताल में सीजीएचएस की निर्धारित दरों में भी 50% की छूट

रिम्स के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जसपाल भामरा

हरिभूमि में भी उपलब्ध कूपन

श्री भामरा ने बताया कि यह कूपन ऐसे मरीजों के लिए बेहद मददगार साबित होगा। जिनकी आर्थिक स्थिति कमजोर है। उन्होंने आगे कहा की जिन्हें इन कूपनों की आवश्यकता ना हो तो भी कूपन को संभालकर अपने पास सुरक्षित रखें, और अपने परिचित जिन्हें भी इलाज की आवश्यकता हो उन्हें इसे प्रदान कर उनकी मदद करें। यह कूपन समाचार पत्रों में विज्ञापन के माध्यम से, इंडियन ऑइल के पेट्रोलपंप व टिकरापारा स्थित हरिभूमि कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

शिविर में 12 हजार ने कराई ओपीडी

निःशुल्क शिविर में अब तक 12 हजार मरीजों ने ओपीडी कराई है, वहीं 250 छोटी-बड़ी सर्जरी जिसमें रीढ़ की हड्डी, मुंह का कैंसर, बच्चों की जन्मजात विकृतिया, पेट का ट्यूमर के साथ कूल्हें का प्रत्यारोपण किया गया, वहीं आवश्यकता पड़ने पर मरीजों की भर्ती व भोजन व्यवस्था भी पूर्णतः निःशुल्क कराई जा रही है।